एक स्वागत-योग्य कदम : ब्लिंकेन-शी की बैठक

द हिंदू

पेपर-II (अन्तर्राष्ट्रीय संबंध)

अमेरिका और चीन ने अपने रिश्तों को ठीक करने के लिए इस हफ्ते एक बहुत जरूरी कदम उठाया। एंटनी ब्लिंकेन ने बीजिंग का दौरा किया, जो 2018 के बाद किसी अमेरिकी विदेश मंत्री का पहला चीन दौरा था। इस यात्रा (जिसके दौरान ब्लिंकेन ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की) का सबसे बड़ा उद्देश्य यह रहा कि उनके बीच संबंधों में स्थिरता की जरूरत पर सहमति बनी। शी ने ब्लिंकेन से कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय रिश्तों के मौजूदा हाल को लेकर 'चिं. तित' है और 'टकराव या संघर्ष नहीं देखना चाहता'। बातचीत के बाद ब्लिंकेन ने कहा कि 'अपने रिश्ते को स्थिरता प्रदान करने की जरूरत पर दोनों सहमत हैं'। बेशक, मतभेद बने हुए हैं, और जैसा की उम्मीद थी, अमेरिकी निर्यात प्रतिबंधों या ताइवान जैसे विवादास्पद मुद्दों पर कोई समाधान नहीं निकला। लेकिन यात्रा पर आए अमेरिकी राजनयिक से शी का मिलना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि प्रगति हुई है। गौरतलब है कि अमेरिका के ऊपर चीनी 'जासूसी गुब्बारे' को मार गिराए जाने के बाद दोनों देशों के बीच कड़वाहट पैदा हो गई थी और ब्लिंकेन ने फरवरी में अपना चीन दौरा रद्द कर दिया था। जैसा कि ब्लिंकेन ने कहा, 'संवाद के उच्च-स्तरीय रास्तों को मजबूत करना, असहमति वाले क्षेत्रों में अपनी स्थिति और इरादों को साफ करना'और उन क्षेत्रों को तलाशना जहां दोनों 'साझा अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों परके साथ काम कर सकते हैं'। बाइडेन प्रशासन चीन के साथ

रिश्ते ठीक करने की अपनी कोशिशों को कैसे जारी रख पाएगा जबकि 2024 के चुनावों से पहले घरेलू विमर्श बदतर होने की संभावना है। बीजिंग में यह पूछे जाने पर, ब्लिंकेन ने कहा कि व्यापार समेत विभिन्न अमेरिकी हितों की रक्षा के लिए आपसी जुड़ाव बनाए रखना सबसे अच्छा तरीका है।

अब चुनौती यह है कि क्या वे रिश्तों में गिरावट थामने और कूटनीतिक रास्ते खुले रखने की अपनी यह कोशिश बरकरार रख सकते हैं, जबकि अगला संकट खड़ा होना ही है और चीजें लगातार गरम होती घरेलू राजनीतिक भाषणबाजी की पृष्ठभूमि में घटित हो रही हैं। जैसा कि शी ने ब्लिंकेन से कहा, देश 'कोई एक पक्ष चुनना'नहीं चाहते। यह बात इस क्षेत्र के लिए खास तौर पर सच है, जहां विभिन्न राष्ट्र चीन के साथ गहरा आर्थिक नाता और अमेरिका के साथ करीबी सुरक्षा संबंध बनाए रखना चाहते हैं। ऐसे में अगर बीजिंग और वाशिंगटन स्थिरता की जरूरत पर सहमत होते दिख रहे हैं तो इसका भारत समेत विभिन्न देशों द्वारा स्वागत किया जाना चाहिए। चीन को लेकर साझा चिंताएं आपस में जोड़ने वाला वह कारक हो सकती हैं, जिसके चलते भारत-अमेरिका संबंध ने एक गहरी और व्यापक संभावना हासिल कर ली है। इस हफ्ते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजकीय यात्रा के दौरान रक्षा क्षेत्र और तकनीकी सहयोग में होने वाले नये समझौतों में इसकी पुष्टि होगी। यह बहुत पुरानी बात नहीं है जब वाशिंगटन से होने वाले बीजिंग के उच्च-स्तरीय दौरों ने नई दिल्ली के लिए कुछ असहजता पैदा की हो सकती है, खासकर ओबामा प्रशासन के दौरान जब कुछ समय के लिए 'जी2'दौर चला था। लेकिन अब ऐसी कोई बात नहीं है।

अमेरिका-चीन विवाद

अमेरिका-चीन संबंध टाइमलाइन:

- 19वीं सदी: अमेरिकी मिशनरियों का चीन में आगमन शुरू हुआ और वे राष्ट्र के प्रति सहानुभूति पैदा करने लगे।
- द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान: जापानी कब्जे के खिलाफ उनकी लड़ाई में अमेरिका ने चीनी राष्ट्रवादियों का समर्थन किया।
- अमेरिका ने 1949 से चीन को अलग-थलग करने की कोशिश की: जब कम्युनिस्ट राष्ट्रवादियों पर हावी हो गए।
- 1970 का दशक: इसने देखा कि सोवियत संघ का मुकाबला करने के लिए अमेरिका और साम्यवादी चीन एक साथ आए।
- 1980 का दशक: एक आर्थिक जुड़ाव की शुरुआत जो 1990 के दशक से एक विशाल वाणिज्यिक और तकनीकी साझेदारी में बदल गई।
- 21वीं सदी: अमेरिका में कुछ लोग चीन को एक संभावित खतरे के रूप में देखने लगे। अमेरिका का मानना था कि चीन की बढ़ती आर्थिक समृद्धि अनिवार्य रूप से उसके समाज को अधिक से अधिक लोकतंत्रीकरण की ओर ले जाएगी।

पिछले दो वर्षों में अमेरिका-चीन प्रमुख प्रतिद्वंद्विता:

1. व्यापार
2. तकनीकी
3. दक्षिण चीन सागर में नौसैनिक गतिविधियां
4. ताइवान मुद्दा

संभावित प्रश्न (Expected Question)

प्रश्न : अमेरिका-चीन संबंधों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन चीन यात्रा पर पहली बार गए हैं।
2. ताइवान पर अमेरिका चीन के एकाधिकार को नहीं मानता है।
3. दोनो देशों में चीन की आजादी के बाद से कभी भी सहयोगी और मित्रवत संबंध नहीं रहे हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

Que. With reference to US-China relations, consider the following statements:

1. Recently US President Joe Biden has visited China for the first time.
2. America does not accept China's monopoly on Taiwan.
3. Both the countries have never had cooperative and friendly relations since the independence of China.

How many of the above statements are correct?

(a) Only 1

(b) Only 2

(c) All three

(d) None

उत्तर : b

संभावित प्रश्न व प्रारूप (Expected Question & Format)

प्रश्न :अमेरिका और चीन के मध्य विवाद के कौन से बिंदु हैं? दोनो देशों के मध्य इन विवादों का वैश्विक भू राजनीति पर क्या प्रभाव पड़ा है? चर्चा करें। (250 शब्द)

उत्तर का दृष्टिकोण :-

- उत्तर की शुरुआत में अमेरिका और चीन के मध्य विवाद के चर्चा करें।
- उत्तर के अगले भाग में दोनो देशों के मध्य इन विवादों का वैश्विक भू राजनीति पर क्या प्रभाव पड़ा है ,उसकी चर्चा करें।
- अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।

नोट : अभ्यास के लिए दिया गया मुख्य परीक्षा का प्रश्न आगामी UPSC मुख्य परीक्षा को ध्यान में रखकर बनाया गया है। अतः इस प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आप इस आलेख के साथ-साथ इस टॉपिक से संबंधित अन्य स्त्रोतों का भी सहयोग ले सकते हैं।